

ASHA ARCHIVES

1.535

ਗੁਰਮਤਿ ਮੰਤਰ

॥ नाम ॥

॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ वदन् धनं क्षीमान् ॥ दूर्ध्वा न दमक यव
॥ १ ॥ श्लोकविजयी बाढकुलिकस्वच ॥ १ ॥ विवृष्टपुलीकद्रु
॥ २ ॥ धातुल्लकमलाननः ॥ धालालयन् वदन् स्वकचक्षमम्
॥ ३ ॥ श्रुक् दीर्घलीगप्रमुखे वनं केवलापादिहिः ॥ दूर्ध्वा न दमक
वीच वीलविहसचूरीहि ॥ ३ ॥ उलालयहिः स्वकचक्षमम् ॥ धालालयन् वदन् स्वकचक्षमम् ॥

॥ संग ॥

॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ वदन् धनं क्षीमान् ॥ दूर्ध्वा न दमक यव
॥ १ ॥ श्लोकविजयी बाढकुलिकस्वच ॥ १ ॥ विवृष्टपुलीकद्रु
॥ २ ॥ धातुल्लकमलाननः ॥ धालालयन् वदन् स्वकचक्षमम्
॥ ३ ॥ श्रुक् दीर्घलीगप्रमुखे वनं केवलापादिहिः ॥ दूर्ध्वा न दमक
वीच वीलविहसचूरीहि ॥ ३ ॥ उलालयहिः स्वकचक्षमम् ॥ धालालयन् वदन् स्वकचक्षमम् ॥

॥ १ ॥

॥ २ ॥

॥ ३ ॥

॥ नाम ॥
॥ २ ॥

॥ ४ ॥ यथाचाहीरुवाम्यहं ॥ ५ ॥ ब्रह्मानयं ह्यमगमनीं ब्रह्मवा
कुलचक्रस ॥ हिताय सर्वसत्त्वानीं शत्रुहन्तुं यत्नय ॥ ६ ॥
यकाशयतु सर्वं ब्रह्म रोगवत्साक्षात्तु गच्छ ॥ महासमयं कृत्वा
॥ ७ ॥ ॐ त्रिधाशयवित्यन ॥ ८ ॥ रोगवत् ब्रह्मानकायस्य ॥ ९ ॥ संग ॥
॥ १० ॥ शरीरस्य गीष्मं मज्जन् ब्रह्मानकायस्य ॥ ११ ॥ ॥ २ ॥

॥ १२ ॥ गच्छ चार्थमूदा चार्थं महार्थं नासमासिवा ज्ञादिम
ध्यातुं कल्याणी ॥ नामसंगीतिमूर्त्तिमा ॥ १३ ॥ याति मे हर्षि मे वृद्धे
हर्षिष्यं न मुक्ता विगता ॥ १४ ॥ तस्य नाच्च सर्वं ब्रह्म या हा र्थं न पुन
॥ १५ ॥ १२ ॥ माया जालमहान्तं या चास्मिन् सर्वं गीयं ॥ महा
वक्त्रं च वेदं चैव मये नु धाविति ॥ १६ ॥ ॥ २ ॥

॥ नाम ॥

॥ ३ ॥

आम्पानिर्यानीचदृष्टाय यथाहवाम्पहनाथ सर्वसर्वद्वयक
क ॥ १४ ॥ प्रकाशविषयसत्त्वानीयथासयविशयक ॥ १५ ॥
कुंठनामय ॥ १६ ॥ अस्मानहानय ॥ १७ ॥ वमध्यमगुणदो
वज्रयाविस्तथागक ॥ १८ ॥ कलाअलिमृणालत्वा यद्वकायति ॥ १९ ॥
नाद्वयक ॥ २० ॥ १५ ॥ अस्मानमथावाहक ॥ २१ ॥ अथमक ॥ २२ ॥

॥ संग ॥

॥ ३ ॥

मृनिहगवान् ॥ सर्वद्वयद्विषयदामः ॥ निरुपयर्थायनास्ती
नास्वकिदास्वमृवाच ॥ १ ॥ स्मिन्सिद्धलौका
नामयायद्वयधर्मी ॥ लौकाकाहासकचर्त चहुर्मान
निधिसर्ग ॥ २ ॥ द्विलोकमायुचयन्त्या ॥ वद्वानामध्व
यागिना ॥ प्रत्यहायकगुणदोवज्रयाविमहावल ॥ ३ ॥ साधव

॥ नाम ॥

॥ ४ ॥

इधनशीमानसाधून्वजयाधया ॥ यत्त्वं जगद्विनाथाय म
हाकचूषयाचिरा ॥ ४ ॥ महार्थनामसंगिनि यविशमघनास
नी ॥ मशुशीम्हानकायस्य मरुः ॥ ५ ॥ उंसमयूनि ॥ ५ ॥ नत्साधू
दशयाम्यथ अहंनगुक्काधियः ॥ ६ ॥ लुत्त्वमकागर्मनी नत्सा
इगवानिनिः ॥ ६ ॥ ~~प्रनिवचगाथावद्~~ ॥ ॥ अथशक्तमूनि

॥ संग ॥

॥ ४ ॥

हगवान् सकलमनुकुलीमहर् ॥ मनुविशधनेकुनीव्यवलाक
कुलकुर्य ॥ १ ॥ लाकलाकाकुलीकुली लाकलाकीकुलीमहर् ॥
महामुडाकुलीचास्य महामुषकुलीमहर् ॥ २ ॥ षड्कुलावला
कगमथादः ॥ ३ ॥ ॥ मीयध्मीरुवाजानी सकलामदयाद
यी ॥ अनूत्यादधर्मिनीगमथा हावहस्मगिजीपह ॥ १ ॥ अ

॥ नाम ॥

॥ ३ ॥

हामहमाहलारुःसर्वलारुनिदूदन॥महाकाशमहासोखा
महामादामहानि॥३॥महानृपामहाकाशमहावरुमहा
वयू॥महानामामहादावा॥महाविपुनमधुल॥४॥महायज्ञ
युधधनामहाक्लृष्णकुक्षमयथा॥महायसामहाकीर्तिमहा
यानिमहायुनिमायाधनाविद्वान्॥महामायार्थसाधक

॥ संग ॥

॥ ३ ॥

॥५॥महामायानिचकामहामायन्दुताविव॥६॥महादानप
तिप्रदामहाशीलाधजागदी॥महादानिधवाधीनाम
हावीर्ययजाक्रम॥७॥महाधनसमाधिरुमहाप्रकृष्ट
नीलधृक्॥महाबलामहायायप्रदीधिरुतसागन॥८॥
महामेरीमयामयामहाकाचलीकाश्यधी॥महाप्रकृष्ट

॥ नाम ॥

॥ १ ॥

रुधीमान् महायाया महाकृति ॥ ११ ॥ महाप्रदिवलायना महा
वर्यममहाजवमहाप्रदिवलायना महावनयनाक्रम ॥
॥ १२ ॥ महारुवाडिर्सेरुल्लमहावक्रधनाघनमहाकुला
महाभोजामहारुयकच ॥ १३ ॥ महाविशारुमानात्मा
महामन्त्रारुमागुत्तमहायाननयात्तमहायाननय

॥ सीमा ॥

॥ १ ॥

रुमः ॥ १४ ॥ वक्रधाममहामनुत्तमात्माचतुर्दश ॥ ॥ म
हावेनाचनावृक्षमहामुनिमहामुनिः ॥ महामन्त्रनथात्तमहा
मन्त्रनयात्मक ॥ १ ॥ दशयानमिनायाफा दशयानमिनाय
मः ॥ दशयानमिनायुद्धि दशयानमिनाय ॥ २ ॥ दशरुमीष्ट
नानात्मा दशरुमीष्टमिष्टिक ॥ दशरुमानविशुद्धात्मा

॥ नाम ॥ दशह्वानविशुद्धक ॥ १ ॥ दशमकालादशमार्थरथमनीश्वरी
॥ २ ॥ दशवलाविरु ॥ श्रवणविश्वार्थकनादशमकावावगीमहा
न ॥ ४ ॥ अनादिनीषयंचात्मा शुद्धात्मा रथरत्नक ॥ रुरुवा
दीयधवादीरथकानी अनन्यवाक ॥ ५ ॥ श्रद्धयद्वय ॥ संग ॥
वादिचरुरुकाठीव्यववसि ॥ नेनात्पसिंहनिर्नादक ॥ ६ ॥

कीर्धमृगहीकन ॥ ६ ॥ सर्वदुर्गम ॥ २ ॥ भाद्यगहिसुथागरुम
नाजव ॥ जिनाजिनानिविजयीचक्रवर्त्तिमहावल ॥ ७ ॥
गद्यमुखाग ॥ ६ ॥ चार्यागर ॥ ६ ॥ गद्यवर्त्तिर्वशी माहानुरा
वर्धनचनया ॥ ५ ॥ नन्ययामहानय ॥ ८ ॥ वागीरुमवायकि
मीवाचस्पतिचनकगी ॥ सत्यवाक् सत्यवादिचचरुःस

॥ नाम ॥

॥ ९ ॥

सहायदशक ॥ ९ ॥ सुवेवर्तिकाञ्जनागमी स्वप्रपत्य
कनायक ॥ नानानिर्याननिर्यानामहारुनेक कान ॥

॥ १० ॥ मूर्द्धकात्मा श्रुवाहिकुविराजति नृद्विष्य ॥ कम
पा फलरूप्याफजिनीरुना कनाविन ॥ ११ ॥ विशाचज
संयन् ॥ १२ ॥ सगनालाकविस्वज ॥ निमयान हं कान सत्यद्वय

॥ संग ॥

॥ ९ ॥

नयस्मिन् ॥ १२ ॥ संसारयाकाटिस्मः कुरु कुरु स्म लस्मिन्
॥ केवच्य हाननिष्कुरु प्रह्लागानुविदाचन ॥ १३ ॥ सद्
मार्धर्मनाकास्वान् ॥ लाकालाककर्णयच ॥ धर्मश्च ना
धर्मनाजा ॥ सुधामा रत्नयदशक ॥ १४ ॥ सिद्धार्थसिद्धसं क
त्य सर्वसं कल्पवर्द्धिन् ॥ निर्विकल्पा ॥ दयाधनुः धर्मधा

॥ नार्म ॥

॥ १० ॥

कुयवायय ॥ १५ ॥ पूत्यवानुन्यसंहावा हानहुरनाक
नैमहृ ॥ हानवा सदस हानी सैहानद्वयसंहर ॥ १६ ॥
महाविश्वनाथागि धामनं ध्याधियायि ॥ प्रत्यात्मवशक
चलयनमायसुिकायधृक् ॥ १७ ॥ यैवकायत्ममं कंकाव
धा यैवहानात्मविशु ॥ यैवबुद्धात्मकामकृट यैवचक्र

॥ सीम ॥

॥ १० ॥

सैगधृक् ॥ १८ ॥ जनकसर्वचूडानीबुद्धपुत्रवनावच ॥ प्र
हारावाकृथाथानिद्रमथानिरुक्ककृ ॥ १९ ॥ घनेकः
सानवजात्मा सधाजाहाजगत्पति ॥ गगरत्नरुवः ल्यय
कुप्रहृहानानचामहान् ॥ २० ॥ वेवाचनामहादीफि ह
नकाहिविलाचन ॥ जगत्प्रदीया हानात्मा महान्काप्र

॥ नाम ॥

119911

स्वन॥ २१॥ विद्यानाञ्जलिः यमकुलममकुलनाञ्जलिमहाथ कुरु
महास्त्रीधारुणास्त्रीषाविश्वदलीवियत्यनि॥ २२॥ सर्ववृद्ध
महावायुः ऊमदानन्दलावन विश्ववृद्धिधाताच॥ प्रकामा
न्नामहासवि॥ २३॥ कुलकृयधनामन्ति महासमयमनुधुक्
नलकृयधनः शुशुभियानोरुमदसक॥ २४॥ सुमाद्यय

॥संग॥
॥१॥

विजयी वजया ॥ महामहाशय ॥ वज्री कुर ॥ महामहाया ॥ भव
जह नवली कन ॥ २५ ॥ सविमुद्र धर्म धातु क्लानगा ध
पंचविंशति ॥ काठनाटय ॥ मूरवाही म ॥ सुद ॥ क्षा षडुः
जावनी ॥ इन्द्रा क जानक ॥ काला हला हल सतानन ॥ १ ॥
यमान का विद्य ना जावज वर गहर्य कन ॥ विद्युष्ट वज

॥ नाम ॥

॥ १२ ॥

हृदयामायावज्जामहादन ॥ २ ॥ कुलिरामवज्जयानि
वज्जमरुतनहायम ॥ मृचलेकजगतायागजवर्मपटादध्व
॥ ३ ॥ हाहाकाचीमहाधाधाहीहीकाचरुयानक ॥ मृदहा
सामहाहासावज्जहासामहावन ॥ ४ ॥ वज्जसत्त्वमहासत्त्वावज्ज
नाजामहासूख ॥ वज्जचरुमहामादावज्जहूँकाचहूँकरी

॥ सीमा ॥

॥ १२ ॥

॥ ५ ॥ वज्जवासायुधधनावज्जखज्जानिहकन ॥ विष्टवज्जध
नावजीवकवजीवत ॥ ६ ॥ वज्जकालाकनालाकावहा
लासावाच ॥ वज्जावराममहावज्जमहाकावज्जवाचन
॥ ७ ॥ वज्जवासाकुलकन ॥ वज्जवासेकविग्रह ॥ वज्जकाटिन
खाचहावज्जसावधनचुनि ॥ ८ ॥ वज्जमालाधरपीमन्वज्ज

॥ नाम ॥

119311

रुनहृषिक॥ लाहादहामनिर्घाषावज्जुधाषावउकून॥ ७॥ मी
रुधाषामहानादमुलाकेकनयामहान॥ त्याकालधनुयय
रुधाषाधाषवतावल॥ १०॥ आदर्गहानगंथीदल॥ रुध
ताहुरुनेवात्म्यहुरुकाटीनवरुन॥ धूम्यतावादिदृषलागमूना
दानगर्हून॥ १॥ धम्मर्गश्वामहानलद्वाधम्ममधुमहानहा॥ १॥

॥संग॥

119311

प्रतिष्ठितनिर्वाहस्तद्वदिकधर्मद्विह ॥ २ ॥ स्रुथाज्ञयवा
नरुणा नानास्रुथामनामय ॥ सर्वस्रुथावरुणाय शानरुणप्रतिर्वि
धृक् ॥ ३ ॥ स्रुध्वामहस्तस्वामुधुधुकमहस्तव समुच्चि
तार्यमागस्तधर्मककुमहादय ॥ ४ ॥ कुलाके ककुमाचीग
सविलाहृद्वपुजायति ॥ द्वाहिंस्तनवक्रुणधनकाकसेलाः

॥ नाम ॥

॥ ४ ॥

क सुन्दर ॥ ७ ॥ ॥ ला क हान गु ल चार्थ ला का चार्थ वि
 भवद ॥ नाथ फा हा रि ला का फ भ व र्ण हा य ती च रु नी ॥ ८ ॥ ग
 ग ल हा ग सर्व ह्मा सा ग न ॥ श्र वि य गु का म र्ण ह्मा ह व र्ण ज
 न दा व ल ॥ ९ ॥ श्र मि ना र ल व सी क्ता म र्ण सा न र्ण व या न ग ॥ ह्मा
 ना हि ष क म कू ट र्ण म्प र्ण वृ द्ध ह्मा ल ॥ १० ॥ कि १४ र व १० र व

॥संग॥

॥१४॥

समर्पणं काननकमुमकिंग सर्वावनलविनिक्मुक्का॥शाका
सममर्गीगरु॥२॥सर्वकृतमलाहीर सुधाधनधगहिगरु॥सर्वस
त्वमहानारंगगु दारधवनरुमयन॥१०॥सर्वाधिधिविनिम्मुक्काया
मवलनिसूक्ति॥कहाचिनामसिधनसर्वनस्त्रारुमाविगु
॥११॥महाकल्पकतूळिका महारुद्रघटा रुमसवसत्वाथकस्य

॥ नार्म ॥

॥ १५ ॥

लाहिरि वी सत्त्व वसल ॥ १२ ॥ गुहा गुह्य काल क समय रुः

समर्थ विदुः ॥ सत्त्व विद्य लील लील वि मू कि मु य का वि द ॥ १३

गुहा गुह्य लील धर्म लील व ज्ञा साम प्र ला दय सर्व म ज्ञ ल मा गत्य

कीर्ति न की य स गुरु ॥ १४ ॥ महा लक्ष्मी महा लक्ष्मी महा लक्ष्मी महा लक्ष्मी

न कि सत्त्व य सत्त्व कि रू कि व मा द शी र्य स स्य कि ॥ १५ ॥ व न र द्य

॥ सी ॥

॥ १५ ॥

वन द र द्यः न व र द्य न व र द्य म रु म ॥ महा रु या नि प्र व वा निः म यः

रु य ना म न ॥ १६ ॥ नि र्वि मि र्व गु ज टि ला ऊ टि मो वि कि नी

टि मा त् ॥ र्य वान र्य र्य व मि र्य र्य व वी न क र म य न ॥ १७ ॥ महा

व न ध वा मो जी व क्क वा नी व क्क ल म महा लक्ष्मी नि र्वि ला

न का र मो न मा गु टी ॥ १८ ॥ व क्क वि द्वा क्क र व क्क वा व क्क नि

॥ नाम ॥

॥ १३ ॥

वर्त्तमा फर्त्तन् ॥ मृक्किमा क्वाविमा क्वाविमि ॥ मृक्किमा क्वाविमि
व ॥ १९ ॥ निर्वाहानि वृत्तिमन्ति ॥ २० ॥ यानि यातमन्तग ॥ सखद
॥ स्वाकृष्टनिष्ठावेनागधम्यधिरुय ॥ २० ॥ मृज्यान्तपभावकी
निवाहानि निर्वाजन ॥ निक्कनः सर्वगव्यापि मृक्का विजमना
यव ॥ २१ ॥ मृज्याविलजाविमलावाकृष्टानि नाममय ॥ स

॥ संग ॥

॥ १३ ॥

यवृद्धा विवृद्धा स्मासर्वरुः सर्ववित्पन ॥ २२ ॥ विरुहानधर्मि
मीमाहानमद्यनूयधक् ॥ निविकल्पानि वाहागडस्पष्टसिबुद्ध
कायधक् ॥ २३ ॥ मृनादिनिधनावृद्धा मृादिवृद्धानिर्वाजन ॥
॥ २४ ॥ नेकाच कूनीमलाहानमृहिसुथागर ॥ २४ ॥ वागीश्व
नामहादा वादिनाद्वार्यगव ॥ वदनी म्बनावविष्ठा वादिसिहा

॥ नाम ॥

॥ ११ ॥

नाजिका ॥ २५ ॥ समरुदलीषामायक जामालीरुदलनि ॥ ग्रीव
त्ससूपरुदीफिरुहिलूनकनयुनि ॥ २६ ॥ महारिषवनः अष्टमल
हलुनिबुरुन ॥ अष्टमलकनः कौसव्याधिमहाविष् ॥ २७ ॥ कुलाः
कलिलकाकाकः श्रीमान् कुरुम सुल ॥ दलदिग्ग्यामयय्यनध
मधज हाक्य ॥ २८ ॥ जगच्छेकविपुलामेष्टिकनृम सुल

॥ संग ॥

॥ ११ ॥

॥ पचवृक्षम्वनः श्रीमान् वल्लच्छामहाविष् ॥ २९ ॥ सर्ववृद्धमहा
वाजा सर्ववृद्धात्स सर्वधृक् ॥ सर्ववृद्धमहायाग सर्ववृद्धेकसास
न ॥ ३० ॥ वज्रवत्तारिषकधी सर्ववत्ताधियम्वन सर्वलाकम्वनयनि
सर्ववज्रधनाधिय ॥ ३१ ॥ सर्ववृद्धमहाचिरु सर्ववृद्धमनागनि ॥ स
र्ववृद्धमहाकाय सर्ववृद्धसदस्वनि ॥ ३२ ॥ वज्रसूर्यमहालाका

॥ नाम ॥

॥ १८ ॥

वज्रद्विभलप्रह॥ विनागादिमहानागाविश्ववर्धुहलप्र
ह॥ २३ ॥ सर्ववज्रपर्यंकावृधसंगीतिधर्म॥ वृद्धयधारावः०
प्रीमासर्वरूहानकागधक्॥ २४ ॥ विश्वमायाधनावाज्जवृद्धि
याधनामहान॥ वज्रकीर्णमहाखलाविभुद्रयचमाह्वन॥ २५ ॥
॥ इःखच्छेदमहायानवज्रधर्ममहायुध॥ जिनजिक्वज्रगमकी

॥ संग ॥

॥ १८ ॥

र्यवज्रवृद्धियथार्थविह॥ २६ ॥ सर्वयानमितायुनिसर्वरुमिविह
यल॥ विभुद्रधर्मभेनात्मासम्पक्कभन्दरुखरु॥ २७ ॥ मायाज
लमहाशागसर्वतन्त्राधियःयवः॥ मूलवज्रयर्थद्विनिःसवका
नकायधक्॥ २८ ॥ समकदंलीपैरुद्रसूमतिःकिङ्किगर्हाङ्गग
ति॥ सर्ववृद्धमहाहागविश्वनिर्मातृचक्रधक्॥ २९ ॥ सर्ववृद्धमस्त

॥ नाम ॥

॥ १२ ॥

मिमिकृष्टसुप्रसत्तासम्पत्स

॥ श्री ग ॥

॥ १ ॥

पनसर्वायायविरामधक॥ सर्वसत्त्वत्वरुमानार्थसर्वसत्त्वप्रभाचक

॥१॥ कर्मसंगमसन्नेकग्रहाननिष्ठद्वयहन् ॥ धृक्शुभन

धनश्रीमान्बीववीरुत्सवृयधक् ॥ २ ॥ वाङ्मदलुमकाकृययद

निक्षपनरुन॥ श्रीसच्चिदानन्दुजाहारगगलमहागनरुन॥३॥

एकपादालाका कमहीमलुलसिद्ध ॥ ब्रह्मा शुभिखलाकाक

॥ नाम ॥

॥ २१ ॥

॥ ११ ॥ सर्वसत्त्वद्वितीयार्थरू सर्वसत्त्वमनाहन ॥ पंचस्कंधार्थरू
रत्वरूपपंचस्कंधविशुद्धक ॥ १२ ॥ सर्वनिष्कालकाटिस्तु सर्वनि
ष्कालकाविद्यसर्वनिर्वाणमार्गस्तु सर्वनिर्याणक ॥ १३ ॥ द्वाद
शगुरुवात्वाद्वादशकान्तुद्धक ॥ चतुस्रस्यनयावा मृ
दुस्मानवधाधधक ॥ १४ ॥ द्वादशकान्तुद्धकस्यार्थशशकान्तुद्धक

॥ संग ॥

॥ २१ ॥

लरुत्त्वविर्विजयाकालसंधाधिवृद्धसर्ववित्यन ॥ १५ ॥ मृम
यवृद्धनिर्माणकायकाटिविरावक ॥ सर्वरूक्षति समय सर्वचि
रुक्षार्थविरा ॥ १६ ॥ नानायानतथायाथागदर्थविराव
क ॥ यानतिरुयनियारुचकयानरुल्लिखित ॥ १७ ॥ क्लेशधनु
विशुद्धात्माकर्मधनु दूर्यकनडाधादरधसमूहीरुयाग

॥ नाम ॥

॥ २२ ॥

कान्तावनिःसृष्टः ॥ १८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

युक्तायामहाकुरु तमस्यमाद्यगदर्थकम् ॥ १९ ॥ सर्वसं

रगपहिनीनार्थविह्वानार्थविबाधधृक् ॥ सर्वसत्त्वमनाविवर्ष

सत्त्वमभागतिः ॥ २० ॥ सर्वसत्त्वमनारुह्य चिरुसमरी ॥ सर्वसत्त्वम

नाङ्गादि सर्वसत्त्वमभागतिः ॥ २१ ॥ सिद्धान्तविजुमायकः सर्वज्ञः

॥ सौग ॥

॥ २२ ॥

किं विवर्जितः ॥ निःसीदग्धगतिः कार्यः सर्वार्थकियुत्तमत्व

॥ २२ ॥ यत्किं स्वार्थकिकालः सर्वज्ञविज्ञावकः ॥ एकः

तस्मिन्सर्वज्ञसिद्धिः सर्वज्ञस्वत्वावकः ॥ २३ ॥ जन

नकायकायाः ॥ कायकारिविज्ञावकः ॥ ज्ञेयवत्पुनः

दनीचलककुमहामतिः ॥ २४ ॥ समस्तज्ञानगाथाः ॥ २५ ॥

॥ नाम ॥

॥ २२ ॥

४॥ सर्वसंबुद्धाद्वाद्बुद्धाविनरुचः॥ अनरुचामनुया
निमहामनुकूलयः॥ १॥ सर्वमनुर्थजनकामहाविन्दननरु
चयश्चरुचामहानुयाविन्दु नृपः॥ २॥ सर्वाकावेति
चाकः॥ ३॥ वाउत्तमर्धद्विषिन्दुधृक्॥ अकलः॥ कलनामीरुचुर्थ
ध्यानकीटिधृक्॥ ३॥ सर्वध्यानकलारिः॥ ४॥ समधिकूलराम

॥ संग ॥

॥ २३ ॥

उविर्॥ समाधिकायकायाग्रः॥ सर्वसंहागकायचः॥ ४॥ निर्मा
लकायकायारम्भाद्बुद्धनिर्मातृवर्णधृक्॥ दमदिग्विष्वनिमा
रुचयश्चरुगदर्थकः॥ ५॥ दवादिदवादेवन्दुः॥ स्वन्दुदान
वाधियः॥ ६॥ समबन्धुः॥ सन्नुत्तुः॥ प्रमथः॥ प्रमथः॥ ७॥ उत्ती
र्णवकाकाचनकः॥ साङ्गगुत्तुः॥ ८॥ पर्याप्तं॥ दिग्गकध

॥ नाम ॥

॥ २४ ॥

मदानयनिर्महान् ॥ १ ॥ मेहीसन्नाहसन्नद्धः कर्तुः क्षवर्मधमि
रुः ॥ प्रह्लाखः धनवान् ॥ कुं ॥ मन्त्रनवर्तुः रुः ॥ ८ ॥ मानाविर्म
वजिदीनः स्वरुमान् रुयाकः रुः ॥ सर्वमानचमूः रुः ३ सर्वद्वालो
नायकः ॥ ९ ॥ वन्द्यः पूः १ रिवाद्यः माननीयः स्थित्युः ॥ १० ॥ ॥ सीग ॥
चनीयः रुमामानमस्यः पवः मन्त्रुः ॥ १० ॥ हुं लोकोकः ॥ २४ ॥

मगहिर्धामियर्यन्विक्रमः ॥ ११ ॥ विद्यः १ ॥ धनियः पूरुः १ ॥ वठुहिः रुः
वठुन्महिः ॥ ११ ॥ बाधिसत्त्वामहासत्त्वलाकातीनामरुद्रिकः ॥
प्रह्लापानिमानियः १ ॥ प्रह्लातत्त्वमागरुः ॥ १२ ॥ आत्मवित्पनः
वित्सेर्वः १ ॥ सर्वाधाममहिक्काकोरुः १ ॥ आरुना
धियः १ ॥ १३ ॥ धर्मदानयनिः १ ॥ अष्टशुभमार्थधनकः ॥ १४ ॥

॥ नाम ॥

॥ २५ ॥

वास्यरुमाऊनीनियालक्ययायिनी ॥ १४ ॥ यवमार्थविशुद्धी
मुलाकुरु ॥ गमहान् ॥ सर्वसंयत्नवशीमान् ॥ शूचीशीमनीव
न ॥ १५ ॥ ~~कल्याचयानस्तनमाथा ४ यवदल ४ ॥~~ नमस्तुवनरव
जायूरुकाटिनमामु ॥ नमस्तुलून्यगर्हवृद्धवाधिनमामु
न ॥ १६ ॥ वृद्धागनमस्तुवृद्धकामनमानम ॥ वृद्धपीनिनम

॥ संग ॥
॥ २५ ॥

सुर्यवृद्धमादनमानम ॥ २ ॥ वृद्धस्मिन्नमामुस्यवृद्धहासन
मानम ॥ वृद्धवाचनमस्तुवृद्धरावनमानम ॥ ३ ॥ शूरुवारुवन
मस्तुनमस्तुवृद्धसीरुव ॥ गगनारुवनमस्तुस्यनमस्तुलूनसीरुव ॥
मायाजालनमस्तुस्यनमस्तुवृद्धनाटक ॥ नमस्तुसर्वसवेत्यास्तुन
कायनमामुनिति ॥ ४ ॥ यवकथागरुस्तुनमुनिगमथा ॥ ५ ॥

ASHA 1900

1.505 x 5.35

1900